**तृतीय वर्ष कला परीक्षा 2001**

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

(इतिहास, भारतीय दर्शन, अनुवाद, निबन्ध एवं व्याकरण)

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 100

1.निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए: **15+15**

(क) रामायण एवं महाभारत की तुलना कीजिए।

(ख) संस्कृत के प्रमुख ऐतिहासिक महाकाव्यों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(ग) कथा साहित्य के विकास पर निबन्ध लिखिए।

(घ) टिप्पणियां लिखिये (**किन्हीं दो** पर) **15**

बाणभट्ट

अभिज्ञान शाकुन्तल

महाकवि भारवि

हितोपदेश

2. भारतीय दर्शन के अनुसार ई६वर का निरूपण कीजिए । **4+4**

**अथवा**

भारतीय दर्शन के अनुसार कर्म सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

3(क) **किन्हीं दो** पद्यो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: **7**

यावदेतान्निरीक्षेऽहं योग्धुकामानवस्थितान्।
कैर्मया सह योद्धव्यमस्मिन रणसमुद्यम ।।
उत्सन्नकुलघर्माणां मनुष्याणां जनार्दन।
नरकेऽनियंतं वासो भवतीत्यनुशुश्रुम।।
गुरूनहत्वा हि महानुभावांछेयो भोक्तुं भैक्ष्यमपीह लोके।
हत्वार्थ कामांस्तु गुरूनिहैव भुंजीय भोगान् रूधिरप्रदिग्धान्।।
विहाय कामान् यः सर्वान् पुमांश्चरति निःस्पृह।
निर्ममो निहंकारः स शान्तिमधिगच्छति।।

(ख) श्रीमद्भगवतगीता के प्रथम अध्याय का सार संक्षेप में लिखिए। **8**

**अथवा**

श्रीमद्भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के आधार पर श्री कृष्ण ने अर्जुन को आत्मा की अमरता विषय में जो उपदेश दिया उसे अपने शब्दों में लिखिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

4.(क) निम्नलिखित अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: **8**

भारत ग्राम प्रधान देश है। अधिक जनता गाँवों में ही रहती है। ग्राम निवासियों को ग्रामीण कहा जाता है। इसका जीवन बहुत सरल और निष्कपट होता है।इनकी वेशभूषा भी साधारण होती है। इनका लक्ष्य होता है- सादा जीवन उच्च विचार। ये बहुत परिश्रमी होते है। ग्रामों की जलवायु स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभप्रद होती है। अतएव ग्रामीण जन स्वस्थ एवं हष्ट पुष्ट होते है।

**अथवा**

दक्षिण देश में पाटलिपुत्र नाम का एक नगर था। वहां मणिभद्र नाम का एक सेठ रहता था। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के कर्मो को करते हुए भाग्यवश उनके धन का नाश हो गया। उस धन-नाश के कारण होने वाले निरन्तर अपमान से वह अत्यधिक दु:ख को प्राप्त हुआ। किसी समय, रात में सोते समय उसने सोचा-ओह! इस गरीबी को धिक्कार है।

(ख)निम्नलिखित अवतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए: **7**

देशस्योन्नत्यै देशभक्तिभावनाया महत्यावश्यकता भवित। देशभक्तिभावनयैव मनुष्यो देशस्योन्नत्श्यै यतते, समाजस्योद्धार करोति, अशिक्षितान् शिक्षितान् करोति, देशस्य दरिद्रतां हीनावस्था च दूरीकरोति, स्वदेशीयव्यापारस्योन्नतिं करोति, स्वदेशनिर्मितानि वस्तूनि उपभुड्क्ते, आवश्यकतायां सत्या स्वीकीयान् प्राणानपि मातृभूमिरक्षार्थ परित्यजति। यदा सर्वेष्वति देशवासिषु एतादृशी भावना भवति तदा देशो नूनन्नतिं प्रप्नोति।

**अथवा**

सतां सज्जनानां संगति: सत्संगति: कथ्यते। ये सज्जना: साधव: पवित्रात्मना: सन्ति, तेषा संगत्या मनुष्य: सज्जन: साधु शिष्टश्च भवति। ये दुर्जना: सन्ति तेषां संगत्या मनुष्यो दुर्जनो भवति, पतनं विनाशं च प्राप्नोति। ये सज्जनै: सह उपविशिन्ति उत्तिष्ठन्ति खादन्ति पिबन्ति च ते। तथैव स्वभावं धारयन्ति। मनुष्योपरि संगते: महान् प्रभावो भवति।

5.निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए: **10**

(i)मम प्रिय पुस्तकम्।
(ii)सदाचार:
(iii)भारतीय संस्कृति
(iv)उपमा कालिदासस्य

6(क) निम्नलिखित प्रत्ययों में से **किन्हीं दो** का उदाहरण सहित सूत्र निर्देश कीजिए:
(i)ढक्
(ii)समुहार्थक अण्
(iii)मतुप्
(iv)तसिल्

(ख) **किन्हीं दो** का मुख्य सूत्रोल्लेख-पूर्वक प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : **5**
(i)वासुदेव:
(ii)रेवतिक
(iii)दण्डी
(iv)तत्र

(ग) **किन्हीं दो** का मुख्य सूत्रोल्लेख-पूर्वक प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : **5**
(i) एडका
(ii) देवी
(iii)गौरी
(iv)नारी

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com